ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

1969 TO 2029 REACHING NATIONS ECHO OF HIS CALL SINCE 1969

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXXI YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2026 FEBRUARY **No. 03**

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
योएल 34:15-22

15 यहोवा की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं, और उसके कान भी उनकी दोहाई की ओर लगे रहते हैं।
16 यहोवा बुराई करनेवालों के विमुख रहता है, ताकि उनका स्मरण पृथ्वी पर से मिटा डाले।
17 धर्मी दोहाई देते हैं और यहोवा सुनता है, और उनको सब विपत्तियों से छुड़ाता है।
18 यहोवा टूटे मनवालों के समीप रहता है, और पिसे हुओं का उद्धार करता है।
19 धर्मी पर बहुत सी विपत्तियाँ पड़ती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सबसे मुक्त करता है।
20 वह उसकी हड्डी हड्डी की रक्षा करता है; और उनमें से एक भी टूटने नहीं पाती।
21 दुष्ट अपनी बुराई के द्वारा मारा जाएगा; और धर्मी के बैरी दोषी ठहरेंगे।
22 यहोवा अपने दासों का प्राण मोल लेकर बचा लेता है; और जितने उसके शरणागत हैं उन में से कोई भी दोषी न ठहरेगा।

आपका पूरा समर्पण - बहुत आशीष लाएगा!

YOUR COMPLETE SURRENDER WILL LEAD TO ABUNDANT BLESSINGS!

बहन एन्जल

हमारे प्रभु यीशु मसीह के बहुमूल्य नाम में अभिवादन।

मैं विश्वास करती हूँ और प्रार्थना करती हूँ कि आपका जनवरी महीना आशीषमय बीता होगा और साल की शुरुआत अच्छी हुई होगी। बहुतों के लिए जनवरी महीना अलग-अलग तरहं से कठिन भी हो सकता है। मेरी प्रार्थना है कि परमेश्वर की शांति, अनुग्रह और सामर्थ्य आपको पूरे 2026 में संभाले और आगे ले चले।

एक अच्छी शुरुआत आवश्यक है, पर उससे भी अधिक ज़रूरी है कि हम अंत में कैसे पहुँचते हैं। मेरी प्रार्थना है कि यह साल आपके लिए यीशु में फलदायी और जयवन्त हो। और 2026 का अंत उसके शुरू होने से अधिक महिमामय और आशीषपूर्ण हो।

पृष्ठ 3 से क्रमशः...

एक्को ऑफ हिज़ कॉल 5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब *मसीही चैनल!*

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलुगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे तमिल रविवार रात्रि - सुबह 8:30 बजे

★ **Please Subscribe and Share** ★

ECHO OF HIS CALL - (Marching towards 60th year)
Estd. 1969

from your dearly beloved brother...

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Dr. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.
EX MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM, MBA.
ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)
EDITORIAL BOARD
Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.
EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858
95661 31858
E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org
YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

"और यहोवा तुझ को पूँछ नहीं, किन्तु सिर ही ठहराएगा"

व्यवस्था. 28:13

प्रभु में प्रिय,

हम आप सभी को हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के अनमोल नाम से अभिवादन करते हैं!

प्रभु ने पिछले महीने हमारी सभी सेवाओं को अपने अनुग्रह से आशीर्वादित किया है। जैसे ही हम इस महीने में प्रवेश कर रहे हैं, हमारे पास कई बाहरी और स्थानीय सेवकाइयां हैं जो पूरी होने का इंतज़ार कर रही हैं।

सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल का क्रिसमस कार्यक्रम

हमारे सचीव, डॉ. पी. ई. आर. प्रेमचंद ने सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल में आयोजित क्रिसमस समारोह में वचन सुनाया। इसके अलावा, दिसंबर महीने में हमारे नहेमायाह बाइबल कॉलेज के छात्रों और हमारी कलीसिया के विश्वासियों द्वारा कई आउटरीच सेवाएं की गईं।

यू ट्यूब सेवकाई टीम

पिछले साल, हमने अपनी यू ट्यूब मिनिस्ट्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी। दुनिया भर में कई लोगों को इन संदेशों के माध्यम से आशीर्वाद मिला। हम विनम्रतापूर्वक आपसे हमारे उन कर्मचारियों के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध करते हैं जो इस सेवकाई में ईमानदारी से शामिल हैं।

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) ▫ BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) ▫ YouTube Ministry ▫ Online Courses ▫ Theological Correspondence Courses (2 languages) ▫ Church Planting ▫ Nehemiah Bible Colleges ▫ Gospel Printing Press ▫ Great Commission Partners ▫ St. Paul's Matriculation School ▫ Crusades ▫ Community Development

हमने अपनी कलीसिया में एक अतिरिक्त हिंदी सेवकाई भी शुरू की है, खासकर हिंदी बोलने वाले प्रवासी कर्मियों के लिए। हर बुधवार शाम ७:०० बजे हिंदी प्रार्थना सभाएँ आयोजित की जा रही हैं। हम ईमानदारी से इस सार्थक और अत्यंत आवश्यक सेवकाई के लिए आपकी प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं।

कृपया हमारी सेवकाई और ऑफिस कर्मियों को अपनी प्रार्थनाओं में याद रखें, क्योंकि वे अलग-अलग मुश्किलों और चुनौतियों के बावजूद लगन से सेवा कर रहे हैं।

आपकी अनमोल प्रार्थनाओं और दिल खोलकर मदद से हमारी सभी सेवकाइयां आगे बढ़ रही हैं।

परमेश्वर का अनुग्रह आप सभी पर बनी रहे। आमीन!

मसीह यीशु में, आपके सेवक,
पास्टर एस. सैम सिल्वा राज
Email: sam@echoofhiscall.org

पृष्ठ 1 से आगे:...

एक राजा जिसने अच्छी शुरुआत की, लेकिन अच्छे से समाप्त नहीं किया!

इस बात से मुझे राजा अमस्याह की कहानी याद आती है। उसने अपना जीवन अच्छी तरह शुरू किया, लेकिन उसका अंत दुखद हुआ। बाइबल कारण बहुत साफ़ बताती है :

"उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है, परन्तु खरे मन से न किया" २ इतिहास २५:२

अमस्याह कौन था?

✦ वह राजा योआश का बेटा था, जो सात साल की उम्र में राजा बना था

✦ वह यहूदा का नौवां राजा था

यहूदा का नौवा राजा

✦ उसकी कहानी 2 राजा 14 और 2 इतिहास 25 में मिलती है

बाइबल उसके बारे में एक अद्भुत, पर चिंताजनक बात बताती है :

"उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है, परन्तु खरे मन से न किया।"

✦ परमेश्वर की सेवा बिना पूरे मन से करने का क्या अर्थ है?

✦ क्या हम सही काम करें, फिर भी हमारा पूरा दिल परमेश्वर को न दिया हो?

✦ क्या ऐसा हो सकता है कि हम बाहर से तो विश्वासयोग्य दिखें, पर अंदर से आधे-अधूरे हों?

अमस्याह त्रासिक राजा इसलिए नहीं था कि वह बुरा था बल्कि इसलिए कि वह लगभग अच्छा था, कुछ आज्ञाकारी था, लेकिन दिल से पूरी तरह समर्पित नहीं था। उसने :

✪ आज्ञा मानी

✪ अच्छे काम किए

✪ परमेश्वर की आज्ञा मानी

लेकिन... उसका दिल पूरी तरह परमेश्वर का नहीं था।

यह सिर्फ अमस्याह की कहानी नहीं है... यह कई विश्वासियों की कहानी है। हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उसकी सेवा करते हैं, लेकिन हमारे जीवन में कुछ क्षेत्र हो सकते हैं जहाँ हम कहते हैं :

"प्रभु, यहाँ तक ठीक... पर इससे आगे नहीं।" हम :

✪ कलीसिया जाते हैं

✪ सेवा करते हैं

✪ दान देते हैं

✪ ज़रूरतमंदों की सहायता करते हैं

✪ और बहुत से अच्छे काम करते हैं

पर सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है :

हमारा दिल परमेश्वर के सामने कहाँ खड़ा है?

मेरे पिता अक्सर कहते थे : "आधी आज्ञाकारिता पूरी अवज्ञा ही होती है।" इस साल की शुरुआत में, 2026 को अच्छे से समाप्त करने के लिए हमें अपने आप से एक सवाल ज़रूर पूछना चाहिए :

अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावटें हो सकती हैं। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है!

हमारा पता :

ECHO OF HIS CALL,
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E.mail: sam@echoofhiscall.org

"क्या मैं सही काम पूरे मन से कर रहा/रही हूँ या आधे मन से?"

अमस्याह के जीवन से सबक

मुझे यहूदा और इस्राएल के राजाओं के जीवन के बारे में सोचना बहुत अच्छा लगता है। उनकी कहानियाँ हमारे अपने जीवन के लिए बहुत अच्छी शिक्षा प्रदान करती हैं और आईना दिखाती हैं। अमस्याह ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन आगे चलकर कुछ गलत हो गया - और इसके परिणाम गंभीर हुए।

अमस्याह ने शुरुआत अच्छी की, लेकिन समाप्त अच्छा नहीं किया

1. समर्पण!

अमस्याह ने अच्छी शुरुआत की!

(2 इतिहास 25:1–10)

उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था तौभी अपने मूल पुरुष दाऊद के समान न किया; उसने ठीक अपने पिता योआश के से काम किए। - 2 राजा 14:3

अमस्याह ने दाऊद के समान नहीं किया। हर बात में उसने अपने पिता योआश का अनुसरण किया

अमस्याह की शुरुआत बहुत अच्छी थी और उसने कई मामलों में आज्ञा मानी।

अ. परमेश्वर के वचन और न्याय का पालन!

जब अमस्याह सिंहासन पर बैठा, तो उसने अपने पिता का खून करने वालों का न्याय किया। हालाँकि, उसने उनके बच्चों को नहीं मारा, बल्कि परमेश्वर की व्यवस्था का पालन किया :

पुत्र के कारण पिता न मार डाला जाए, और न पिता के कारण पुत्र मार डाला जाए। (व्यवस्थाविवरण 24:16)

इसके लिए हिम्मत की ज़रूरत थी। उसे बदला लेने का डर हो सकता था, लेकिन उसने आज्ञा मानना चुना। (2 राजा 14:6) रानी अतल्याह (2 राजा 11:1) के विपरीत, जिसने सभी होने वाले वारिसों को मार डाला था, अमस्याह ने परमेश्वर की व्यवस्था का आदर किया।

उसने अच्छी शुरुआत की।

ब. अपनी हानि के बावजूद आज्ञा मानना!

अमस्याह ने इस्राएल से 100,000 सैनिक भाड़े पर लिए, जो एक महंगा निवेश था। जब नबी ने उसे उनका इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया, तो अमस्याह ने एक सच्चा सवाल पूछा

जो सौ किक्कार' चाँदी मैं दे चुका हूँ, उसके विषय क्या करूँ?

फिर जो सौ किक्कार' चाँदी मैं इस्राएली दल को दे चुका हूँ... 2 इतिहास 25:9

नबी ने जवाब दिया :

यहोवा तुझे इससे भी बहुत अधिक दे सकता है। 2 इतिहास 25:9

हालांकि आज्ञा मानने की उसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी, लेकिन अमस्याह ने उसकी बात सुनी। उसने सैनिकों को घर भेज दिया और परमेश्वर पर भरोसा किया।

आज्ञा मानने की हमेशा कीमत चुकानी पड़ती है - लेकिन आज्ञा न मानने की कीमत उससे कहीं ज़्यादा होती है।

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों 6:2), ❋ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ❋ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

19 फरवरी 2026, से 18 मार्च 2026 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 फ़रवरी : हमारी अद्‌भुत मीडिया टीम, जो **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** के संदेशों को बिना किसी रुकावट के पहुँचाने में हमारी मदद करती है।

20 फ़रवरी : हमारे साझेदारों द्वारा दी गई नैतिक और आर्थिक सहायता से हमें आशीष देने के लिए।

21 फ़रवरी : परमेश्वर ने हमें अनुग्रह दिया है कि हम 2026 का मासिक कैलेंडर और प्रतिज्ञा कार्ड की छपाई और भेजने का काम पूरा कर सकें।

22 फ़रवरी : परमेश्वर ने हमारे क्रिसमस और नए साल के कार्यक्रमों को विशेष आशीष दी है, जो नहेम्याह बाइबल कॉलेजेस और सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल में हुए।

23 फ़रवरी : परमेश्वर युवाओं को उत्साहित करते हैं ताकि वे हमारी सारी कलीसियाई गतिविधियों में भाग ले सकें।

24 फ़रवरी : परमेश्वर ने हमारी **मीडिया सेवा** और **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** को आशीष दी है ताकि हम उन बहुभाषी लोगों तक पहुँच सकें, जहां अब तक नहीं पहुंचा गया है।

25 फ़रवरी : परमेश्वर हमारे प्रार्थना सहयोगियों, सब्सक्राइबिंग सहयोगियों, विश्वास सहयोगियों, जीवन सहयोगियों और महान आदेश सहयोगियों और उनके परिवारों पर दया करने के लिए।

26 फ़रवरी : परमेश्वर हमारी कलीसिया सेवकाई को और अधिक व्यवस्थित रूप से काम करने के लिये आशीष देने के लिए।

27 फ़रवरी : परमेश्वर हमारे वरिष्ठ पासबान एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार को हर एक बुरी ताकत से बचाने के लिए।

28 फ़रवरी : परमेश्वर **एको ऑफ हिज़ कॉल** के कर्मचारियों और उनके परिवारों को अच्छा स्वास्थ्य और ईश्वरीय सुरक्षा से आशीष देने के लिए।

01 मार्च : हमारे बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम की बढ़ोतरी के लिए।

02 मार्च : हमारी मुख्य कलीसिया और शाखा कलीसियाओं में होने वाली रविवार की सभाओं में परमेश्वर के वचन की सामर्थ प्रकट होती है।

03 मार्च : परमेश्वर हमें सामर्थ देता है कि हम अपनी प्रिंटिंग प्रेस में 16 भाषाओं में अपनी पत्रिका छापकर मिशन क्षेत्रों में भेज सकें।

04 मार्च : हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** की प्रधानाचार्या, शिक्षकों और अन्य सभी स्टाफ सदस्यों को आशीष देने के लिए।

कृपया प्रार्थना करें

05 मार्च : मसीही प्रचारक बिना किसी मिलावट के परमेश्वर के वचन का पूरी तरह से प्रचार करें।

06 फरवरी : शैक्षिक वर्ष 2026–27 के लिए हमारे आवासीय और सान्ध्यकालीन नहेमायाह बाइबल कॉलेज में योग्य छात्रों का दाखिला हो।

07 मार्च : शैक्षिक वर्ष 2026–27 के लिए हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** में नए छात्रों का दाखिला हो।

08 मार्च : देशों के बच्चे और युवा यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मानें।

09 मार्च : हमारे सहायक सम्पादकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए।

10 मार्च : वृद्धाश्रम में बुजुर्ग लोगों के स्वास्थ्य और शांति के लिए।

11 मार्च : हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** के 10 वीं कक्षा के छात्रों ने अपनी अन्तिम परीक्षा में शानदार परिणाम हासिल किया।

12 मार्च : हमारे **एको ऑफ़ हिज़ कॉल यू ट्यूब शॉर्ट्स** उन लोगों तक पहुंचें जिन तक पहुंच नहीं है।

13 मार्च : हमारे **नहेम्याह बाइबल कॉलेज** के विद्यार्थियों ने ग्रेजुएशन सफलतापूर्वक पूरा किया।

14 मार्च : हमारे प्रेयर पार्टनर्स, सब्सक्राइबिंग पार्टनर्स, फेथ पार्टनर्स, लाइफ पार्टनर्स और ग्रेट कमीशन पार्टनर्स और उनके परिवारों के जीवन में उन्नति के लिए परमेश्वर की दया के लिए।

15 मार्च : संसार के देशों को युद्ध से परमेश्वर की सुरक्षा के लिए।

16 मार्च : संसार भर के मिशनरी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए।

17 मार्च : सभी देशों और उनके आर्थिक विकास पर परमेश्वर की आशीष के लिए।

18 मार्च : हमारे सीनियर पास्टर एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों की सभी तरह की बुरी ताकतों से सुरक्षा के लिए।

पष्ठ 4 से आगे...

अमस्याह ने सिपाहियों को घर भेज दिया, परन्तु वचन हमें चेतावनी देता :

इस समय, अमस्याह परमेश्वर को मानने वाला राजा लग रहा था, और परमेश्वर ने उसे आदर दिया।

फिर भी पवित्र शास्त्र हमें चेतावनी देता है **"उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है, परन्तु खरे मन से न किया"**

क. बिना पूरे समर्पण के!

अमस्याह दुष्ट या विद्रोही नहीं था। वह अपने

'शालोम' का अर्थ है पूर्ण समर्पण

धर्मी पिता योआश के पीछे चला - दाऊद के विपरीत, जिसने पूरे दिल से परमेश्वर की सेवा की।

उसने अच्छी शुरुआत की, लेकिन परमेश्वर अच्छे शुरू करने वालों को नहीं बल्कि अच्छे से समाप्त करने वालों को ढूंढ़ रहा है। अमस्याह ने सही किया लेकिन विश्वासयोग्य दिल से नही।

हिब्रू शब्द "शालेम" का मतलब है पूरा, संपूर्ण, बिना बंटा हुआ, पूरी तरह से समर्पित।

अमस्याह की समस्या आधी-अधूरी बात मानना था। उसने बाहर से परमेश्वर का अनुसरण किया लेकिन अपने दिल के कुछ हिस्सों को छुआ नहीं।

प्यारे भाइयों और बहनों, यह सम्भव है :

- दसवां हिस्सा देना
- ईमानदारी से सेवा करना
- सही तरीके से जीना

फिर भी घमंड, क्षमा न करना, वासना, निन्दा, छिपे हुए पाप, या आत्म-शासन जारी रखना।

अंदर से हार माने बिना बाहर से आज्ञा मानने से आत्मिक खालीपन आता है। मनुष्य को अपनी जड़ों को गहरी रखें और फल ऊपर दिखाई देना चाहिए।

हमारी जड़ें गहरी हों और फल ऊपर दिखाई दें

२. समझौता!

उसने जो होने दिया, उसने अंत में उसे बर्बाद कर दिया!

(2 इतिहास 25:11–16)

लेकिन, - 2 राजा 14:4

अमस्याह ने वह सब सह लिया जो उसे नष्ट कर देना चाहिए था।

समझौता हमेशा छोटी शुरुआत होती है - लेकिन आज हम जो सहते हैं, वह कल हम पर हावी हो जाएगा।

अ. विजय के बाद घमंड!

एदोमियों को हराने के बाद, अमस्याह उनकी मूर्तियों को वापस ले आया और उनकी पूजा करने लगा (2 इतिहास 25:14)।

अमस्याह उनकी मूर्तियां वापस ले आया और उनकी उपासना करने लगा

पृष्ठ 8 में क्रमशः...

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Qualification : 10th Standard & above
Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.
Rush for Admission!
Diploma in Theology & Bachelor of Theology
Medium :Tamil (Part Time) Hindi (Residential) (Sponsorship Available)
1960 to 2020 ECHO OF HIS CALL
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 56 years
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

MAIN CHURCH PROGRAMMES

1. Prayer Service : 24 hours
2. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines :English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikaans.
3. **BIBLECOR -** Basic Bible Courses (English, Tamil & Hindi)
4. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
5. Nehemiah Bible Colleges (Chepauk, Santhoshapuram & Velachery)
6. Branch Churches: Santhoshapuram, Balaji Nagar & Velachery
7. Great Commission Partners (Network of Pastors)
8. Training Programmes – Seminars & Retreats
9. Crusades
10. Literature Distribution and Follow Up
11. Gospel Printing Press - Publications
12. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
13. Sunday Schools (Chepauk) : 10.30 a.m. Sunday & (Velachery, Balaji Nagar & Santhoshapuram) 3.00 p.m. Sunday
14. **Early Morning Service : 5.30 a.m. Sunday**
15. **Preliminary Service : 8.00 a.m. Sunday**
16. **Tamil Service : 8.30 a.m. Sunday**
17. **Youth Meeting : 11.00 a.m. Sunday**
18. **Fellowship Lunch : 1.00 p.m. Sunday**
19. **Telugu Service : 4.00 p.m. Sunday**
20. **Hindi Service : 5.00 p.m. Sunday**
21. **Tamil & English Service : 6.00 p.m. Sunday**
22. Feedback Time : 7.30 p.m. Sunday
23. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
24. Hindi Prayer : 7.00 p.m. Wednesday
25. Men's Prayer : 7.30 p.m. Friday
26. Discipleship Meeting : 6.00 p.m. Saturday
27. House Meetings : 6.30 p.m. Tuesday & Thursday
28. Special Holy Communion : 6.00 a.m. 1st day of each month
29. Ministers' Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
30. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
31. Night Prayer : 9.30 p.m. Third Friday
32. Fasting Prayer : 9:30 a.m. Second Saturday
33. Holy Communion : Second Sunday Service
34. Youth / Kid Prayer : 10.00 p.m. daily (over phone)
35. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
36. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

इन नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–78 पृष्ठ, और तमिल–98 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ और तमिल 652 पृ ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, **Post Box 2957**
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

एको ऑफ हिज् कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	: **ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	: **1023 2923 805**
Bank Name	: **STATE BANK OF INDIA**
Branch	: **TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	: **SBIN 0000249**
SWIFT Code	: **SBI NIN BB 455**

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

प्रभु जिसने मेरी दुर्दशा में मेरी सुधि ली

उसने हमारी दुर्दशा में हमारी सुधि ली, उसकी करुणा सदा की है।
(भजन 136:23)

अपनी सेवकाई के शुरुआती दिनों में, मैं कुछ दिनों के लिए विदेश में अपने एक दोस्त के परिवार के साथ रुका था। उन्होंने मेरी सभी मौलिक ज़रूरतें पूरी कीं और वहाँ मेरा रहना आरामदायक बना दिया।

एक शाम, मेरा दोस्त जो मुझे होस्ट कर रहा था, मेरे कमरे में आया और बोला, "मुझे लगता है कि आप किसी खास ज़रूरत के लिए परमेश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं। क्या मैं इसके बारे में जान सकता हूँ?

क्या आप मुझे इसके बारे में समझाएँगे?" मैंने जवाब दिया, "हम अपनी मैगज़ीन, एको ऑफ़ हिज़ कॉल, दूसरे छापखाने में छपा रहे हैं। क्योंकि हमें इसे समय पर प्रकाशित करने में बहुत मुश्किल हो रही है, इसलिए मैं एक ऑफ़सेट प्रिंटिंग मशीन के लिए बहुत प्रार्थना कर रहा हूँ"। उसने कहा कि वह भी उस ज़रूरत के लिए प्रार्थना करेगा।

अगले दिन, जब मैं सेवकाई के लिए घर से निकलने ही वाला था, तो मेरा दोस्त और उसकी पत्नी मेरे पास आए। उन्होंने मुझे वे दस्तावेज दिखाए जिनमें उनका आवेदन और एक बैंक का डिक्लेरेशन था, जिसमें उन्होंने एक बड़ी रकम पाने के लिए अपना घर गिरवी रखने का फ़ैसला किया था, जिससे वे एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्री के लिए ज़रूरी मशीन खरीदना चाहते थे।

मैं मन ही मन हैरान और परेशान हो गया और उनसे ज़ोर देकर कहा, "मैं वह पैसा नहीं लूँगा जो आप बैंक से कर्ज़ के तौर पर लेने जा रहे हैं"।

वह परिवार मेरे इस रवैये से हैरान था। उन्होंने मुझे यह नाम दिया, "जिसे दुनिया में जीना नहीं आता"। वे मुझे उनका प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए मनाते रहे। लेकिन मैं अपने फ़ैसले पर अड़ा रहा और प्रार्थना करता रहा।

कुछ दिनों बाद, मैं भारत लौट आया। परमेश्वर ने मेरे गरीब भारतीय दोस्तों के दिलों को प्रेरित किया और जो भेंट वे मुझे कभी-कभी देते थे, उससे मैं एक अच्छी ऑफ़सेट मशीन खरीद पाया।

मैं अनुभव कर सकता था और चख सकता था, कि प्रभु भला है (भजन ३४रू८)। नीतिवचन २८:२० के अनुसार प्रभु का अनुग्रह मुझे सहारा देता है। **"सच्चे मनुष्य पर बहुत आशीर्वाद होते रहते हैं।"**

हालांकि एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाई की कोई नियमित, पक्की आय नहीं है, फिर भी प्रभु हमारे विश्वास के माध्यम से हमारी सभी ज़रूरतें पूरी करते हैं। सारी महिमा और प्रशंसा परमेश्वर की हो, आमीन।

****

पृष्ठ 6 से आगे....

इस बारे में सोचिए :

परमेश्वर ने उसे जीत दिलाई

- घमंड आ गया
- समझदारी चली गई
- समझौता हुआ

उसने हारे हुए लोगों के देवताओं को प्रणाम किया। पाप इतना धोखा देने वाला हो सकता है।

ब. सुधार को नकारना!

पहले, अमस्याह ने सुधार मान लिया था। अब, घमंड में भरकर, उसने उसे नकार दिया।

जो देवता अपने लोगों को तेरे हाथ से बचा न सके, उनकी खोज में तू क्यों लगा है? 2 इतिहास 25:15

अमस्याह ने घमंड से जवाब दिया :

क्या हम ने तुझे राजमन्त्री ठहरा दिया है? (2 इतिहास 25:16)

उसकी दृष्टि में कितना फ़र्क था! जिस पल हम परमेश्वर की सज़ा सुनना बंद कर देते हैं, हम बर्बादी की ओर बढ़ना शुरू कर देते हैं।

जब उसे सुविधा हुई, तो उसने आज्ञा मानी; लेकिन जब आज्ञा मानना मुश्किल हो गया, तो उसने उसे ठुकरा दिया। सबसे पहले हमें पाप से नहीं, बल्कि परमेश्वर की सज़ा को न मानना विनाश हो ले आता है। इस साल मेरी प्रार्थना है कि परमेश्वर हर कदम पर उसकी आवाज़ सुनने और उसके रास्तों पर ईमानदारी से चलने में हमारी मदद करे।

जब कभी तुम दाहिनी या बाईं ओर मुड़ने लगो, तब तुम्हारे पीछे से यह वचन तुम्हारे कानों

में पड़ेगा, "मार्ग यही है, इसी पर चलो।"
यशायाह 30:21

सबसे बढ़कर, हमें पूरी तरह से समर्पण करना और उस मार्गदर्शन करने वाली आवाज़ की बात मानना सीखना है।

क. समझौते से घमंड, विद्रोह और अंधापन आया!

समझौते से एक खतरनाक चेन रिएक्शन होता है :

- घमंड
- मूर्तिपूजा
- सलाह न मानना
- खुद पर भरोसा
- चेतावनियों को नज़रअंदाज़ करना
- मूर्खता भरे फैसले

बिना शरण के समर्पण हमेशा समझौते की ओर ले जाता है।

३. परिणाम!

जो आप समर्पित नही करते वह आपको नाश कर देगा!

(२ इतिहास २५:१७-२८)

अ. एक लड़ाई जिसकी अनुमति परमेश्वर ने नहीं दी थी!

अपनी सफलता पर घमंड में, अमस्याह ने इस्राएल के राजा को जंग के लिए चुनौती दी। परमेश्वर उसके साथ नहीं था

परमेश्वर के बिना भरोसा खतरनाक है। उसने मान लिया कि सफलता परमेश्वर की मंजूरी का सबूत है। इस्राएल के राजा ने उसे एक कहानी सुनाकर चेतावनी दी लेकिन अमस्याह ने उसे नज़रअंदाज़ कर दिया। जब किसी व्यक्ति का दिल परमेश्वर के सामने नहीं होता, तो वह सबकी सुनना बंद कर देता है, यहाँ तक कि उसकी भी जिसे परमेश्वर भेजता है।

ब. समझ से भरी चेतावनियों को नज़रअंदाज़ करना!

दुश्मन ने भी अमस्याह का घमंड पहचान लिया :

तुम (2 इतिहास 25:19)

जब "घमंड" हमें सच्चाई से अंधा कर देता है तो हम सामान्य बुद्धि की भी सुनना बंद कर देते हैं। परमेश्वर हमें इस मूर्खता से बचाए।

क. अमस्याह का पूरी तरह से पतन!

समझौते की वजह से :

उसकी सेना हार गई

यरूशलेम की शहरपनाह टूट गई थी

- यरूशलेम की शहरपनाह तोड़ दी गई
- मंदिर लूट लिया गया
- उसे पकड़ लिया गया
- उसकी ज़िंदगी शर्म और साज़िश में खत्म हो गई

जिस व्यक्ति ने समर्पण के साथ शुरूआत की, वह पूरी तरह टूट गया।

क्यों?

क्योंकि उसने सही किया - लेकिन खरे मन से नहीं।

वे धीरे-धीरे गिरते हैं - छोटे-छोटे समझौतों से।

समर्पण ----- समझौता ----- परिणाम

एक अन्तिम बुलाहट : पूरा समर्पण चुनें!

प्रिय मित्रों, परमेश्वर सिद्धता की मांग नहीं कर रहा है - बल्कि यह पूरे मन से भक्ति मांग रहा है। समर्पण अच्छा है

- थोड़ा समर्पण करना खतरनाक है
- समझौता बढ़ेगा
- परिणाम भुगतने होंगे

प्यार और दया से, परमेश्वर हमें बुलाता है :

"उस चीज़ की तरफ क्यों मुड़ें जो आपको बचा नहीं सकती? वापस आएं। पूरी तरह समर्पण करें।"

यीशु ने क्रूस पर अपनी जान दे दी ताकि आप और मैं पूरी तरह सरेंडर वाली ज़िंदगी जी सकें।

"लौट आएं। पूरी तरह समर्पण करें।"

परमेश्वर के पास लौटें - वह खुली बाहों से इंतज़ार कर रहा है। आइए हम उस फिसलन भरे रास्ते पर न चलें जिसने अमस्याह को भटकाया था। यही वजह है कि मसीह दुनिया में आया और आपको और मुझे छुड़ाने के लिए कल्वरी के क्रूस पर उसने अपनी जान दे दी।

आइए सोचें

- क्या हम कुछ मामलों में समर्पित हैं लेकिन दूसरों में समझौता करते हैं?
- हमने कौन से "ऊंचे स्थानों" को नहीं तोड़ा है - कड़वाहट, छिपी हुई आदतें, नशे की लत?
- हमारे मन का कौन सा हिस्सा परमेश्वर के प्रति पूरी तरह से विश्वासयोग्य नहीं है? आइए हम प्रार्थना करें और २०२६ को प्रभु की दृष्टि में जो सही है, उसे करते हुए- सच्चे मन से खत्म करने की कोशिश करें।

****

NOTICE

Save our mobile numbers (+91) 98410 71858, (+91) 98412 71858 (main numbers) in your mobile phones. - Editor

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : S. Sam Selva Raj
A/C No. : 1023 2934 679
IFSC : SBIN 00 00 249
SWIFT CODE : SBI NIN BB 455

2. Bank : ICICI Bank

Branch : Anna Salai, Chennai-6
Name : Echo of His Call
A/C No. : 6038 0502 2319
IFSC : ICIC 000 6038

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)
Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : Echo of His Call Educational Trust
A/C No. : 1023 2923 805
IFSC : SBIN 00 00 249

OUR QR CODE:

ECHO OF HIS CALL

Scan to pay with any UPI app

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-   आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th FEBRUARY 2026
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**